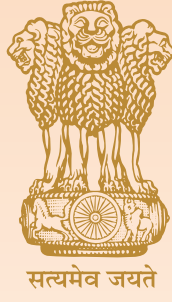




इस्पात मंत्री
भारत सरकार



भारत सरकार इस्पात मंत्रालय संदेश



इस्पात राज्य मंत्री
भारत सरकार

प्रिय साथियों,

हिंदी दिवस 2026 के इस गौरवशाली अवसर पर इस्पात मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। 14 सितंबर का यह शुभ दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी भाषाई विरासत, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के हमारे सामूहिक संकल्प का उत्सव है।

भारत के विविध समाजों, विभिन्न संस्कृतियों और विचारधाराओं को एक अटूट सूत्र में पिरोने के लिए हिंदी भाषा की आवश्यकता होती है। हिंदी केवल शासकीय संवाद का माध्यम नहीं है; यह हमारे देश की सहज धड़कन है, जो देश के एक कोने को दूसरे कोने से बड़ी आत्मीयता से जोड़ती है।

जब हम 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' के महान लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं, तब यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि हमारा प्रशासनिक कार्य भी जन-साधारण की भाषा में हो। हमारी नीतियां, योजनाएं और निर्णय तभी सार्थक सिद्ध होंगे जब वे अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को उनकी अपनी भाषा में समझ आएंगे। जन-आकांक्षाओं को पूरा करने और देश की औद्योगिक प्रगति में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करने का एक प्रभावी मार्ग हमारी राजभाषा हिंदी है।

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे मंत्रालय और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने राजभाषा के कार्यान्वयन में निरंतर सराहनीय प्रयास किए हैं। परंतु, हमें यहीं नहीं रुकना है। 'हिंदी पखवाड़ा' के इस पावन अवसर पर, हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम हिंदी का उपयोग केवल औपचारिकताओं या उत्सवों तक सीमित न रखकर, इसे अपने दैनिक राजकीय कार्यों का मुख्य आधार बनाएं; चाहे वह तकनीकी टिप्पणियां हों, आधिकारिक पत्राचार हो, या आम जनता से जुड़े दिशा-निर्देश हों-हमें सरल, सुबोध और व्यावहारिक हिंदी को प्राथमिकता देनी चाहिए। भाषा में क्लिष्टता के स्थान पर सरलता होनी चाहिए ताकि काम करने में सहजता रहे।

आज का युग 'डिजिटल इंडिया', आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आधुनिक तकनीकी उपकरणों का युग है। इस नए दौर में हिंदी भी पूरी तरह तकनीक के अनुकूल बन चुकी है। अब भाषा तकनीकी काम में बाधा नहीं, बल्कि एक प्रभावी उपकरण बन गई है। इस्पात परिवार के सदस्यों से विशेष आग्रह है कि कार्यालयों में आधुनिक ई-टूल्स और राजभाषा संबंधी सॉफ्टवेयरों का अधिक से अधिक उपयोग करें। अनुवाद पर निर्भर रहने के बजाय, मूल रूप से हिंदी में सोचने और लिखने का अभ्यास शुरू करें।

आइए, इस्पात की मजबूती और हिंदी की मिठास के इस अनूठे संगम से राष्ट्र की प्रगति के एक नए अध्याय की रचना करें। हमें पूरा विश्वास है कि आपके इस निष्ठावान प्रयास से हमारा इस्पात परिवार पूरे देश में राजभाषा कार्यान्वयन का एक उत्कृष्ट और अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

एक बार फिर, आप सभी को हिंदी दिवस और आगामी हिंदी पखवाड़े की हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद !

(श्री एच.डी. कुमारास्वामी)
इस्पात मंत्री

(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)
इस्पात राज्य मंत्री

जीपीओए-3, नेताजी नगर, नई दिल्ली-110023
दिनांक 14 सितंबर, 2026